केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 287 मंगलवार 12 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। छावनी थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से दिहाड़ी मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना रविवार देर रात करीब 9रू30 बजे पूरे हिंदू गांव के सामने हुई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में ले लिया।

मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय फजलू के रूप में हुई है, जो सिरौली बाबू गांव में रहकर मजदूरी करता था। वह बस्ती–अयोध्या लेन पर पैदल हाईवे के किनारे से जा रहा था, तभी बस्ती की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि फजलू उछलकर दूर जा गिरा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने फजलू की पहचान की। बड़ी संख्या में ग्रामीण मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

पिकअप में पीछे से घुसी बाइक, एक की मौत, दूसरा गंभीर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया थानाक्षेत्र के तेनुआ गांव के पास देर रात महाराजगंज की ओर जा रहा बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खराब खड़ी पिकअप में पीछे से जा घुसा। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजवाया और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान हरैया थाना क्षेत्र के महुआ लखनपुर गांव निवासी मनोज पांडेय पुत्र अवध ेश पांडेय के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान कैलाश पांडेय पुत्र राम प्रकाश पांडेय के रूप में हुई है।घटना की सूचना मिलते ही परिजन रोते–बिलखते सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया पहुंच गए। हादसा रात करीब 11रू40 बजे का बताया जा रहा है।प्रभारी निरीक्षक हरैया तहसीलदार सिंह ने बताया कि सड़क किनारे खड़ी पिकअप में पीछे से बाइक टकरा गई थी। हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनमें एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

जुआ खेलते चार गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कोतवाली पुलिस ने हर्दिया के पास से जुआ खेलते वक्त चार लोगों को पकड़ा है। चौकी प्रभरी पटेल चौक राम अशोक यादव ने बताया है कि शनिवार की शाम करीब पौने सात बजे हर्दिया स्थित देशी शराब भट्ठी के पीछे कुछ लोग बैठकर जुआ खेल रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने ताश के पत्तों के साथ ही मालफड़ का 720 रुपया बरामद किया। साथ ही तलाशी में इनके पास से 1620 रुपये मिले हैं। चौकी प्रभारी राम अशोक की तहरीर पर कोतवाली में आरोपित अफजल अहमद निवासी वाल्टरगंज, प्रेमकुमार निवासी सियरापार, किशन चंद्र चौहान निवासी श्रीपालपुर वाल्टरगंज और गोविन्द कुमार निवासी सम्भलपुर सियरापार के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

4 के विरूद्ध मुकदमा

नगर बाजार (बस्ती)। नगर बाजार थानाक्षेत्र के मीतनजोत गांव में मारपीट और मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर चार नामजद अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मीतनजोत निवासी सिरजन ने आरोप लगाया है कि गांव के ही कुछ दबंगों ने उनके साथ अभद्रता की। पीड़ित का कहना है कि आरोपी गोविंद, जिगर, संतोष और गौरव ने बिना किसी ठोस कारण के उन्हें घेर लिया और गालियां देनी शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

लखनऊ (आभा)। यूपी 112 के सोशल मीडिया डेस्क के व्हाट्सऐप पर मैसेज भेजकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने और अयोध्या राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। यूपी 112 मुख्यालय के इंस्पेक्टर सहेंद्र कुमार यादव ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में व्हाट्सऐप नम्बर के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया है। मामले की जानकारी एडीजी कानून एवं व्यवस्था उत्तर प्रदेश, एटीएस और सुरक्षा मुख्यालय को दी गई। धमकी के बाद से सुरक्षा को लेकर अलर्ट कर दिया। खुफिया एजेंसियां, एसटीएफ, साइबर क्राइम टीम और पुलिस को मैसेज भेजने वाले की गिरफ्तारी के लिए लगाया गया है।

इंस्पेक्टर सहेंद्र के मुताबिक यूपी 112 मुख्यालय, लखनऊ की सोशल मीडिया व्हाट्सऐप डेस्क पर एक मोबाइल नंबर से मैसेज आया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 24 घंटे के अंदर जान से मारने और अयोध्या राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी थी। मैसेज यूपी 112 मुख्यालय पर नियुक्त संवाद अधिकारी शारदा यादव ने शनिवार शाम 05 बजकर 16 मिनट 50 सेकेंड पर देखा। इंस्पेक्टर सहेंद्र ने तहरीर में लिखा कि शारदा ने उन्हें मैसेज की जानकारी दी। धमकी भरे मैसेज का स्क्रीन शॉट लिया गया। तत्काल इसकी जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई। उनके निर्देश पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में व्हाट्सऐप नंबर के खिलाफ रविवार को मुकदमा दर्ज कराया गया।

इंस्पेक्टर ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने की पुलिस को धमकी वाले मैसेज का स्क्रीन शॉट और साक्ष्य मुहैया कराए। एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव के मुताबिक यूपी 112 की सोशल मीडिया सेल में तैनात इंस्पेक्टर सहेंद्र की तहरीर पर व्हाट्सऐप नम्बर के आधार पर धमकी, सरकारी कार्य में बाधा समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। तफ्तीश की जा रही है। मामले की जानकारी एडीजी कानून एवं व्यवस्था उत्तर प्रदेश, सुरक्षा मुख्यालय और एसटीएस को भी दे दी गई है। तफ्तीश और मैसेज भेजने वाले की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें लगाई गई हैं।

अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली बसंथ कुमार ने बताया कि धमकी भरा मैसेज भेजने वाले की लोकेशन और आईपी एड्रेस का पता लगाया जा रहा है। साइबर क्राइम सेल को डिटेल भेजी गई है। इसके अलावा सुरक्षा के दृष्टिगत उच्चाधिकारियों, सुरक्षा मुख्यालय और एजेंसियों को सूचना दे दी गई है। कई टीमें धमकी भेजने वाले का पता लगा रही हैं।

यूपी के 55 जिलों में 63,433 नए आवासों की डीपीआर को मंजूरी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में पीएम आवास चाहने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। सोमवार को मुख्य सचिव एस.पी गोयल की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत गठित राज्य स्तरीय स्वीकृत और निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (बीएलसी) घटक के अन्तर्गत 55 जिलों के 225 नगर निकायों के लिए कुल 63,433 नए आवासों की डीपीआर को स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में मुख्य सचिव एसपी गोयल ने निर्देश दिया कि भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) घटक के अन्तर्गत स्वीकृत परियोजनाओं को समय से पूरा कर लिया जाए। बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी के भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) घटक की 12 परियोजनाओं में केन्द्रांश की आगामी किश्त प्राप्त करने के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी मॉनिटरिंग रिपोर्ट के सापेक्ष तैयार की गई एटीआर पर स्वीकृति प्रदान की गई।

इन आवासों की स्वीकृति के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना–शहरी 2.0 के लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास निर्माण (बीएलसी) घटक के अन्तर्गत कुल स्वीकृत आवासों की सख्या 3,68,138 हो जाएगी। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास श्री पी0गुरू प्रसाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (च्ड ।ल) भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है, जो ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गरीबों को पक्का मकान उपलब्ध कराने के लिए 2015 में शुरू की गई थी। इसके तहत लाभार्थियों को घर निर्माण के लिए सीधे बैंक खाते में वित्तीय सहायता मिलती है।

पिछले अप्रैल महीने में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर नई व्यवस्था लागू हुई थी। पीएम आवास योजना शहरी–दो के मकानों की गुणवत्ता की जांच कराई जाएगी और सही होने पर ही अब दूसरी किस्त जारी की जाएगी। लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) घटक योजना में यह व्यवस्था लागू कर दी गई है। राज्य मिशन निदेशालय ने इस संबंध में सभी जिला नगरीय विकास अभिकरणों को विस्तृत निर्देश जारी किए गए थे। इसके मुताबिक, राज्य स्तर पर थर्ड पार्टी क्वालिटी मानिटरिंग एजेंसियां (टीपीक्यूएमए) का चयन जब तक नहीं हो जाता, तब तक जिलों में परियोजना निदेशक की अध्यक्षता में बनी तकनीकी टीम द्वारा गुणवत्ता का सत्यापन किया जाएगा।

सपा सांसद आवास घेराव में गरजीं भाजपा महिला कार्यकर्ता, महिला सम्मान के मुद्दे पर विपक्ष को घेरा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे "महिला जन आक्रोश अभियान" के तहत सोमवार को जिले में राजनीतिक माहौल गरमा गया। रुधौली एवं कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र की महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र के नेतृत्व में सपा सांसद के आवास का घेराव कर धरना–प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की पदाधिकारी, भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। महिलाओं ने हाथों में तख्तियां और पार्टी के झंडे लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए महिला सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर अपनी आवाज बुलंद की।

धरना कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं ने विपक्षी दलों पर महिलाओं के मुद्दों को लेकर केवल राजनीति करने का आरोप लगाया। पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ गांव–गांव तक पहुंच रहा है, जिससे महिलाओं का सामाजिक और आर्थिक स्तर मजबूत हुआ है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल जनता को भ्रमित करने और सरकार की उपलब्धियों को छिपाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को घर–घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनसंपर्क अभियान को तेज करने का भी आह्वान किया।

पूर्व प्रत्याशी संगीता जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक योजनाएं लागू की हैं। उज्ज्वला योजना से महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली, वहीं बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान ने बेटियों के प्रति समाज की सोच बदलने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति जैसी योजनाओं से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे समाज में सशक्त भूमिका निभा रही हैं।

जिला उपाध्यक्ष शालिनी मिश्र ने कहा कि महिला जन आक्रोश अभियान केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि महिलाओं की आवाज को मजबूती देने का अभियान है। उन्होंने कहा कि भाजपा महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है और पार्टी की महिला कार्यकर्ता हर स्तर पर महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही हैं।

कप्तानगंज के पूर्व विधायक सी. ए. चंद्र प्रकाश शुक्ला ने सपा सांसद पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष महिला आरक्षण और महिला सम्मान के मुद्दे पर गंभीर नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा नेतृत्व महिलाओं को उचित सम्मान नहीं देना चाहता, इसलिए जनता अब उनके खिलाफ आवाज उठा रही है।

कार्यक्रम का संचालन और संयोजन सुमन सिंह एवं दिलीप पाण्डेय ने किया। धरना–प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए महिला सुरक्षा और सम्मान के समर्थन में अपनी एकजुटता दिखाई।

इस अवसर पर शिवांगी सिंह, प्रियंका पाण्डेय, वीना पाण्डेय, रंजना, मंजू देवी, शीला, मुनकी देवी, रेखा, नीलम गौड़, राधिका, सरिता, पुष्पा गौतम, पूनम गुप्ता, सावित्री देवी, लक्ष्मी देवी, सरिता यादव, यासमीन, संगीता देवी, मालती देवी, गुड़िया देवी, गीता, सुंदरी, बिंदु देवी, किरन, ललिता, अनीता समेत बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहीं।

सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणीः लोकतंत्र को तो ऐसे हाईजैक करने नहीं दे सकते

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (11 मई) को चुनाव विवाद से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए भाजपा उम्मीदवार को न सिर्फ झटका दिया बल्कि तल्ख टिप्पणी भी की कि हम आपको इस तरह लोकतंत्र को हाईजैक नहीं करने दे सकते। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कांग्रेस नेता को राहत देते हुए उसकी विधायकी बहाल रखने का आदेश दिया। यह मामला कर्नाटक की श्रृंगेरी विधानसभा सीट पर हुए चुनाव से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता ज्क राजगोड़ा को अंतरिम राहत देते हुए निर्देश दिया कि वह अभी के लिए कर्नाटक की श्रृंगेरी सीट से विधायक (डस्।) बने रहेंगे, भले ही हाल ही में वोटों की दोबारा गिनती होने पर BJP mEehnokj DN जीवराज को विजेता घोषित किया गया हो।

सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने भाजपा उम्मीदवार के खिलाफ कुछ तल्ख टिप्पणियां भी कीं। पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'हम आपको इस तरह लोकतंत्र को हाईजैक नहीं करने दे सकते।' इसके बाद, बेंच ने एक अंतरिम आदेश जारी करते हुए दोनों पक्षों को 'स्टेटस को' (वोटों की दोबारा गिनती से पहले की स्थिति) बनाए रखने का निर्देश दिया। इसका मतलब है कि राजगोड़ा श्रृंगेरी के विधायक बने रहेंगे।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों से जुड़ा है। कांग्रेस के ज्क राजगोड़ा को श्रृंगेरी सीट से 201 वोटों के मामूली अंतर से तब विजेता घोषित किया गया था। बाद में भाजपा उम्मीदवार क्छ जीवराज ने कर्नाटक हाई कोर्ट में एक चुनाव याचिका दायर कर इस नतीजे को चुनौती दी। पिछले महीने 6 अप्रैल को हाई कोर्ट ने पोस्टल बैलेट वोटों की दोबारा गिनती का आदेश दिया, जिसमें 279 खारिज किए गए पोस्टल बैलेट वोटों का दोबारा सत्यापन भी शामिल था।

इसके बाद 3 मई, 2026 को रिटर्निंग ऑफिसर ने औपचारिक रूप से संशोधित नतीजे घोषित किए, जिसमें बताया गया कि राजगोड़ा के वोटों में 255 की कमी आई है और जीवराज को श्रृंगेरी सीट से विजेता उम्मीदवार घोषित किया गया। इसके बाद राजगोड़ा ने वकील तुषार गिरी के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर इस घटनाक्रम को चुनौती दी।

इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सोमवार को आदेश दिया कि राजगोड़ा अभी के लिए श्रृंगेरी सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायक बने रहेंगे, और इस स्थिति को बहाल करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट में दायर अर्जी मे राजगोड़ा ने तर्क दिया था कि हाई कोर्ट ने केवल 279 खारिज किए गए पोस्टल बैलेट वोटों के दोबारा सत्यापन का आदेश दिया था, जबकि रिटर्निंग ऑफिसर ने गैर–कानूनी तरीके से 562 ऐसे वैध पोस्टल बैलेट वोटों पर दोबारा विचार किया जो राजगोड़ा के पक्ष में थे। उन्होंने हाई कोर्ट के फैसले को ही चुनौती दी, यह सवाल उठाते हुए कि दोबारा गिनती की क्या जरूरत थी, जबकि कोर्ट ने भ्रष्टाचार के उन आरोपों के बारे में उनके पक्ष में फैसला दिया था जो जीवराज ने उन पर लगाए थे।

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के बफर जोन को घटाने का फैसला

नई दिल्ली (आभा)। भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के आसपास के बफर जोन को घटाने का फैसला किया है। अब छोटे रिएक्टर्स के लिए यह दूरी 500 मीटर और बड़े रिएक्टर्स के लिए 700 मीटर रखी जाएगी। फिलहाल सभी परमाणु रिएक्टर्स के चारों ओर कम से कम 1 किलोमीटर का बफर जोन है, जहां कोई आवास या आर्थिक गतिविधि नहीं हो सकती। यह बदलाव भूमि की कमी को दूर करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

अधिकारियों के अनुसार, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड और परमाणु ऊर्जा विभाग ने इस प्रस्ताव को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। यह बदलाव अगले कुछ महीनों में जारी होने वाले अंतिम नियमों में शामिल किए जाएंगे। भारत का लक्ष्य 2047 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को मौजूदा 8 गीगावॉट से बढ़ाकर 100 गीगावॉट करना है। पिछले साल परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी और विदेशी कंपनियों के लिए खोलने के बाद यह कदम उठाया गया है।

नए नियमों से बड़े रिएक्टर्स के लिए भूमि की जरूरत आधी और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स के लिए दो–तिहाई कम हो जाएगी। इससे एक ही जगह पर दो से तीन गुना ज्यादा क्षमता स्थापित की जा सकेगी। उदाहरण के लिए, 10 रिएक्टर्स (प्रत्येक 700 मेगावॉट) वाला कॉम्प्लेक्स 700 हेक्टेयर से कम भूमि में बन सकता है, जबकि मौजूदा प्लांट्स को आमतौर पर 1000 हेक्टेयर की जरूरत पड़ती है। इससे मौजूदा प्लांट्स में नए रिएक्टर्स जोड़ना आसान होगा और औद्योगिक क्षेत्रों में कैप्टिव उपयोग के लिए छोटे रिएक्टर्स लगाए जा सकेंगे।

सरकार का तर्क है कि आधुनिक और सुरक्षित रिएक्टर टेक्नोलॉजी के कारण बफर जोन घटाया जा रहा है। यह अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों के वैश्विक मानकों के तहत है, जहां निश्चित दूरी तय नहीं की जाती।

दबंगों ने मारा पीटा, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

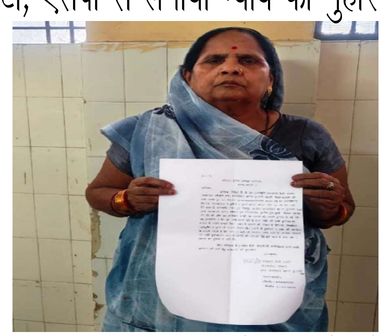

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के मरवटिया गांव में दबंगों द्वारा विवाद में मारने पीटने, जान लेवा हमला कर मारने पीटने का मामला सामने आया है। राजपति देवी पत्नी शिवशंकर चौधरी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर घाायलों का मेडिकल और दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्याय दिलाने की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में राजपति देवी ने कहा है कि गत 10 मई को उनके पति शिवशंकर, दुर्गेश और दुर्गा खाना खाकर सोने जा रहे थे तभी उनके पड़ोसी नीरज पुत्र विष्णु, अपने रिश्तेदार रंजीत चौधरी पुत्र सीताराम, सुनील के साथ शराब पी रहे थे और उनके मेरे घर वालो को गालियां दे रहे थे। उनके घर वालों द्वारा गाली देने से मना किये जाने पर उक्त लोगों ने लाठी डन्डा लेकर उनक पति, पुत्र दुर्गेश व दुर्गा को मारने पीटने लगे। मारने में सुजाता व अन्य भी शामिल थे मारने पीटने से उनके पति व लड़के को गम्भीर चोटे आई है। पुरानी बस्ती पुलिस ने अभी तक न तो घायलों का मेडिकल कराया न ही मुकदमा दर्ज किया है। राजपति देवी ने मामले में मुकदमा दर्ज कराकर न्याय दिलाने की मांग किया है।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 12 मई 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

छात्रों पर लाठी चार्ज

बिहार के पटना में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान राज्य की पुलिस का जैसा रवैया सामने आया है, उसे आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत किसी मसले पर सरकार से विचार की मांग के स्वर का दमन करने की तरह देखा जा सकता है। सवाल है कि अगर नागरिकों के सामने अपनी किसी मांग के लिए आंदोलन या प्रदर्शन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता है, तो संवाद के जरिए उनकी समस्या का समाधान करने या कोई रास्ता निकालने की कोशिश की जाएगी या उन्हें चुप कराने के लिए सीधे लाठी–डंडे का सहारा लिया जाएगा?

हैरानी की बात है कि शिक्षक भर्ती से संबंधित प्रक्रिया में लगातार देरी और टालमटोल से परेशान विद्यार्थियों ने जब पटना में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की, तो उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय उन पर लाठी चार्ज किया गया और महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। अगर उन्हें रोकना भी था, तो पानी की बौछार या कोई अन्य उपाय करने के बजाय बेहरमी से उन पर लाठियां चलाना ही अकेला उपाय क्यों माना गया?

राज्य की पुलिस के इस रवैये को क्या किसी भी तरह से प्रदर्शनकारियों के प्रति एक लोकतांत्रिक शासन की प्रतिक्रिया कहा जा सकता है? अगर नागरिकों के किसी हिस्से को सरकार से अपने अधिकार या अन्य मांग करने से इस तरह रोका जाएगा, तो उसमें नागरिक अधिकारों की क्या जगह रह जाएगी? आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है।

इससे पहले भी कई बार विद्यार्थियों और अन्य नागरिक समूहों ने अलग–अलग मुद्दे पर प्रदर्शन किया है, लेकिन उनकी मांगों पर विचार या बातचीत करने के बजाय उन्हें चुप करने और भगाने के लिए लाठी चार्ज का सहारा लिया गया। अफसोसनाक यह है कि बिहार में जो पार्टियां फिलहाल सत्ता में हैं, उन्होंने एक समय जनता की उपेक्षा किए जाने को ही मुद्दा बनाया था। हकीकत यह है कि आंदोलनों या प्रदर्शन के प्रति पिछले कुछ वर्षों से राज्य सरकार का जो रवैया है, उससे लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए जगह सिमट रही है।

सुरक्षा की चुनौती

आखिरकार चीन ने दुनिया के सामने यह सच कबूल लिया है कि पिछले वर्ष भारत के 'आपरेशन सिंदूर' के दौरान उसने पाकिस्तान की सहायता की थी। यह पहली बार है, जब चीन ने इस संघर्ष में अपनी प्रत्यक्ष भूमिका स्वीकार की है। हालांकि भारत ने संघर्ष विराम के बाद विश्वास के साथ यह दावा किया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस तरह के खुलासे हुए थे, लेकिन चीन ने अब तक इन्हें खारिज कर दिया था। दरअसल, चीन वैश्विक जगत को यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि भारत–पाक संघर्ष के दौरान उसकी भूमिका एक तटस्थ देश की रही है। मगर, चीन और पाकिस्तान की नजदीकियां किसी से छिपी नहीं हैं। अब चीन की इस स्वीकारोक्ति से यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में भारत को सुरक्षा के मोर्चे पर एक साथ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और इसी लिहाज से अपनी रक्षा नीतियां, कूटनीति और रणनीति तैयार करनी होंगी।

पिछले कुछ समय से ऊपरी तौर पर चीन का रुख भले ही भारत को लेकर आक्रामक न रहा हो, लेकिन वैश्विक स्तर पर उसकी छवि एक ऐसे देश की है, जिस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि पिछले वर्ष 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके जवाब में भारत ने 'आपरेशन सिंदूर' चलाकर सीमा पार आतंकियों के कई ठिकानों पर हमला किया था। इस कार्रवाई में सौ से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी।

भारत के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने पिछले साल जुलाई में यह दावा किया था कि चीन ने इस संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी मदद प्रदान की थी। भारत की सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए उसने अपने उपग्रहों का भी इस्तेमाल किया था। तब चीन ने इस दावे को खारिज कर दिया था। मगर बीते गुरुवार को चीन के विमानन उद्योग निगम के चेंगदू वायुयान डिजाइन एवं अनुसंधान संस्थान के एक वरिष्ठ इंजीनियर ने मीडिया से एक साक्षात्कार में माना कि आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को प्रौद्योगिकी मदद प्रदान की गई थी। दरअसल, पाकिस्तान की वायुसेना के पास चीन निर्मित जे–10सीई लड़ाकू विमानों का बेड़ा है, जिनका उत्पादन चीन के विमानन उद्योग निगम की एक सहायक कंपनी द्वारा किया जाता है। खबरों के मुताबिक, चीन ने भारत–पाक संघर्ष को अपने लड़ाकू विमानों की क्षमता को परखने की एक प्रयोगशाला की तरह लिया और पाकिस्तान को तकनीकी मदद मुहैया कराई।

साफ है कि चीन और पाकिस्तान का रक्षा सहयोग अब केवल हथियारों की आपूर्ति तक सीमित नहीं रह गया है। पाकिस्तान के जरिए चीन अपने आधुनिक हथियारों और निगरानी प्रणालियों का वास्तविक युद्ध स्थितियों में परीक्षण कर रहा है। चीन की यह स्वीकारोक्ति ऐसे समय में सामने आई है, जब वह पाकिस्तान को अपना जे–35 बमवर्षक विमान बेचने की योजना बना रहा है। ऐसे में चीन के इस कबूलनामे को अपने लड़ाकू विमानों को पूरी तरह सक्षम दिखाने और उन्हें सैन्य हथियारों के बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है।

बहरहाल, चीन की चालबाजी से यह साफ है कि भारत को भविष्य में संघर्ष की स्थिति में और अधिक सतर्क रहना होगा। साथ ही भारत को चीन के नापाक इरादों को कूटनीति के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाना चाहिए।

पंजाब की राजनीति में वार–पलटवार का दौर

–ज्योति मल्होत्रा–

'आप' शासित पंजाब में चुनावी तैयारी के मद्देनजर भाजपा अपने हथियारों को धार देने में लगी है। वैसे भी प. बंगाल जीत के बाद उसके हौसले बुलंद हैं। वहीं 'आप' की चुनौती पंजाब का गढ़ व राष्ट्रीय राजनीति में हैसियत बचाना है। यह भी कि कभी सहयोगी रहे शिरोमणि अकाली दल और भाजपा को एक–दूजे की जरूरत है।

पंजाब की भाजपा इकाई ने गत शुक्रवार शाम चंडीगढ़ के एक पांच–सितारा होटल में पश्चिम बंगाल चुनावों में मिली जीत का जश्न मनाया। ऐसे समय, जब बमुश्किल एक दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)ने चंडीगढ़ के ठीक बाहर मोहाली में पंजाब के तीन रियल एस्टेट डेवलपर्स पर छापा मारा। बेशक ये दोनों घटनाएं अलग–अलग हैं, लेकिन हर कोई जानता है कि आपस में जुड़ी हैं। भाजपा में आया यह नया आत्मविश्वास किसी वक्त अक्सर दोहराई जाने वाली कहावत से उपजा रू 'जो बंगाल आज करता है, बाकी देश कल करता है'।

और अब, माहौल में सवाल गूंज रहा है, 'क्या अगली बारी पंजाब की है?' यह सवाल सिर्फ पंजाब ही नहीं, बल्कि पूरा देश पूछ रहा है। निश्चित रूप से, अब पंजाब में खुलकर मुकाबला शुरू हो चुका है।

आइये, शुरुआत भारत के नक्शे से करते हैं, जिसमें पिछले 12 सालों में, जब से प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में आए हैं, ज़्यादातर सूबे भगवा रंग में रंग चुके हैं। उत्तर में हिमाचल प्रदेश और पंजाबय दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटकय और पूर्वी भारत में झारखंड को छोड़ आज शेष पूरा देश भाजपा के अधीन है। दोहराना जरूरी नहीं कि कैसे क्रमवार सूबे भाजपा के पास आते गए।

हम यह भी जानते हैं कि चुनाव जीतने को भाजपा बारीकियों पर बहुत ध्यान देती है। बंगाल में, जाति, लिंग और 'धर्म–परिवर्तन' वाले 'पोरिबोर्तन' मिश्रण में श्विशेष गहन पुनरीक्षणश भी जोड़ दिया गया। हमारे अखबार के पृष्ठों के अलावा, वरिष्ठ पत्रकार जयंत घोषाल लिखते हैं कि कैसे भाजपा ने अन्य सूबों में इस्तेमाल किए जाने वाले अपने रणनीतिक घोष 'जय श्रीराम' को बंगाल में थोड़ा मंद करने का फैसला कियाय और इसकी बजाय, लोगों के अंदर ममता बनर्जी शासन के प्रति मोहभंग को भुनाने पर ध्यान केंद्रित किया। 'कोई कसर न छोड़ने' वाली इस रणनीति में बांग्लादेश को भी अलग नहीं रखा गया– पांच साल पहले भाजपा में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के पूर्व सांसद दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त बनाकर भेजा गया है, बंगाल के प्रति अच्छी नीयत दर्शाने के लिए। (यह खब्बर सबसे पहले मेरे सहयोगी उज्ज्वल जलाली ने निकाली थी)।

पंजाब पर ध्यान केंद्रित करने की तैयारियां काफी समय से चल रही थीं। फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी रविदासिया सिख संप्रदाय के आराध्य संत रविदास की जयंती के अवसर पर गुरुद्वारा सचखंड बल्लां गए थे, इससे पहले जनवरी में इस संप्रदाय के प्रमुख को श्पद्म श्रीश से नवाजा गया था– राज्य की कुल सिख जनसंख्या में लगभग 22 प्रतिशत दलित समुदाय से हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का पगड़ी में पंजाब के दौरे करने के पीछे मंतव्य जगजाहिर है।

ऐसा लगता है कि आम आदमी पार्टी के जो सात राज्यसभा सांसद हाल ही में पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, जल्द ही चंडीगढ़ में डेरा जमा लेंगे– उनके स्टाफ के लोग पहले से ही यहां मौजूद हैं। गत सप्ताह के शुरू में राष्ट्रपति भवन में वियतनाम के राष्ट्रपति टो लाम के सम्मान में आयोजित भोज का मेन्यू भी पंजाब के मशहूर शेफ हरपाल सिंह सोखी ने ही तैयार किया था (आप श्द ट्रिब्यूनश में उनका इंटरव्यू और खाने से जुड़ी खबरें एवं बनाने की विधि पढ़ सकते हैं)– इस मेन्यू में श्बठिंडा वाले आलूश, श्दाल अमृतसरीश और हरियाणा को भी स्थान देते हुए श्हिसार की बाजरा खिचड़ीश शामिल थी।

जैसे–जैसे ये अटकलें जोर पकड़ रही हैं कि पंजाब में चुनाव साल के अंत में होंगे– जनगणना कार्य जनवरी 2027 के मध्य तक शुरू होने की संभावना है, अर्थात यह काम चुनावों के साथ–साथ नहीं चल सकता– राज्य की भाजपा इकाई निश्चित रूप से अपने प्रतीकात्मक खंजर को धार देने में जुट गई है। यह बात किसी की भी नजर से छिपी नहीं कि ईडी ने आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रदेशाध्यक्ष अमन अरोड़ा का नाम उन रियल एस्टेट कारोबारियों में से एक के साथ जोड़ा है, जिनके ठिकानों पर गुरुवार सुबह छापा मारा गया था।

जी हां, अब आर–पार की लड़ाई शुरू हो चुकी है। जहां भाजपा सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को निशाना बना रही है तो वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान, अकाली दल पर – और साथ में भाजपा को लपेटते हुए – पलटवार कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने 2015 में हुई बेअदबी की घटनाओं का मुद्दा फिर जोर–शोर से उठाया है। ये घटनाएं उस समय हुई थीं, जब अकाली दल–भाजपा गठबंधन सत्तासीन था। यकीकन आम आदमी पार्टी पंजाब में अपनी सत्ता बचाने के लिए पूरी ताकत से लड़ेगी, क्योंकि उसे भली–भांति अहसास है कि भारतीय राजनीति में श्तीसरे ध्रुवश के तौर पर गंभीरता से लिए जाने में उसके पास यही एकमात्र मौका बचा है। हाल ही में पारित श्जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026श का उद्देश्य भी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के (और इस प्रकार अकाली दल का भी) जबरदस्त प्रभाव को क्षीण करना है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी भी आए दिन 'आप' विरोधी बयान जारी करती रहती है।

बंगाल जीतने से भाजपा का जोश निश्चित रूप से बढ़ गया है। और फिर, जैसा कि दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत संधू को – जो 1920 के दशक के गुरुद्वारा सुधार आंदोलन के एक नेता और कुलीन सुधारक एवं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संस्थापक सदस्य तेजा सिंह समुंद्री के पोते हैं – 2024 के आम चुनाव में अमृतसर लोकसभा सीट से बतौर भाजपा उम्मीदवार अनुभव है कि कैसे प्रभावशाली सिख किसान समूहों ने उन्हें अपने गांवों में घुसने तक नहीं दिया था, चुनाव प्रचार कर पाना तो दूर की बात है (हिंदू समुदायों के बीच उन्हें कहीं ज़्यादा कामयाबी मिली)।

भले ही पिछले दो सालों में बहुत कुछ अन्य बदल गया हो, बड़ा सवाल अब भी यह है कि क्या पंजाब के सिख भाजपा को अपने बीच आने देने को तैयार हैं? या, शायद, यह सही सवाल नहीं, क्योंकि यह सोचना गलती होगी कि सिख आपस में बंटे हुए नहीं। शायद सही सवाल यह होना चाहिए विभक्त सिख वोटर या जातियां, अपनी वोट किसको देंगी? और क्या कुछ सिख जातियां या समुदाय दूसरों की तुलना में भाजपा उम्मीदवारों को अपने बीच अधिक आने देंगी?

निश्चित ही भाजपा सिख वोट बांटने की कोशिश करेगी, इस उम्मीद में कि कुछ लोगों को अपनी तरफ खींच सके। चुनाव से पहले या बाद में भाजपा–अकाली दल गठबंधन हो जाने की चर्चाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं, भले ही गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा कर दी है कि भाजपा चुनाव अकेले लड़ेगी। साफ है, दोनों पार्टियों को एक–दूजे की जरूरत है– अकाली दल को उन हिंदू वोटों की जरूरत है जो भाजपा खींच सकती है, तो भाजपा को अकाली वोटों के साथ की जरूरत है।

वर्तमान और 2024 के बीच, जब लोकसभा चुनाव में सीट बंटवारे पर भाजपा–अकाली दल में गठबंधन नहीं हो पाया था और आज जब देश का अधिकांश हिस्सा– बंगाल जैसे बड़े राज्य सहित– भगवा रंग चुका है। ऐसे में, क्या शाह अब भी अकाली दल के सुखबीर बादल के पीछे–पीछे चलने को तैयार होंगे?

आप पूछ सकते हैं कि इस राजनीतिक उठापटक में पुरानी प्रतिष्ठित पार्टी कहां है? कांग्रेस के बारे में दिलचस्प बात है – जिसने अभी–अभी तमिलनाडु में अपने पुराने साथी डीएमके का साथ छोड़ा, और केरल में जनता का वामपंथी सरकार से मोहभंग होने के सहारे सत्ता में वापसी की है– उसके पास पंजाब को फिर से जीतने का अच्छा मौका हैय बशर्ते उसके अलग–अलग गुट अब भी एकजुट हो जाएं, यह एकता बनी रहे और जनता को अपनी ओर खींच सकें (हालांकि, फिलहाल यह काफी मुश्किल लग रहा है।)

तो फिर, शायद अब पंजाब के लिए वह समय आ गया है जब वह (बेसुरी आवाज में) सतिंदर सरताज के गाने की ये दो लाइनें गुनगुनाए रू 'सानू सारियां विसर गईयां राहवां वे केहड़े पासे जाईए सजना' अर्थात हमारे सारे रास्ते मानो ओझल हो चुके हैं अब मैं किस दिशा में जाऊं?

सोना खरीदने से क्यों मना कर रहे हैं मोदी ?

–नीरज कुमार दूबे–

पश्चिम एशिया में जारी अमेरिका ईरान तनाव का असर अब भारत की अर्थव्यवस्था और आम लोगों की जिंदगी पर साफ दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही तेजी, रुपये पर बढ़ता दबाव और विदेशी मुद्रा भंडार को लेकर गहराती चिंता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से बचत करने की अपील की है। हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचने, विदेश यात्राएं टालने और जहां संभव हो वहां घर से काम करने जैसे उपाय अपनाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है और होरमुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से तेल की आपूर्ति को लेकर गंभीर संकट पैदा हो गया है। हम आपको बता दें कि यह समुद्री मार्ग दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में गिना जाता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के शांति प्रस्ताव को ठुकराए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतें एक सौ पांच डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं, जिससे पूरी दुनिया में महंगाई और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेजी का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। रुपये में कमजोरी आई है और आयात बिल लगातार बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना काल के दौरान देश ने घर से काम, वर्चुअल बैठकों और वीडियो संवाद जैसी व्यवस्थाओं को अपनाया था। अब समय आ गया है कि इन तरीकों को फिर से व्यापक रूप से अपनाया जाए ताकि ईंधन की खपत कम हो और विदेशी मुद्रा की बचत हो सके।

उन्होंने लोगों से मेट्रो रेल का अधिक उपयोग करने, कार पूल जैसी शेयरिंग व्यवस्था अपनाने और बिजली से चलने वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की अपील की। साथ ही माल

परिवहन को सड़कों की बजाय रेलमार्ग की ओर ले जाने की बात भी कही ताकि डीजल पर निर्भरता घटाई जा सके। हम आपको बता दें कि पश्चिम एशिया संकट के बाद भारत का ईंधन आयात खर्च तेजी से बढ़ा है और यदि होरमुज जलडमरूमध्य में बाधा लंबे समय तक बनी रही तो तेल की ऊंची कीमतें कई महीनों तक बनी रह सकती हैं।

प्रधानमंत्री की सबसे अधिक चर्चा में रही अपील सोने की खरीद को लेकर थी। उन्होंने कहा कि देशहित में नागरिकों को कम से कम एक वर्ष तक सोना खरीदने से बचना चाहिए। हम आपको बता दें कि भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना आयातकों में शामिल है और विवाह तथा त्योहारों के मौसम में इसकी मांग बहुत बढ़ जाती है। चूंकि सोना मुख्य रूप से विदेशों से आयात किया जाता है, इसलिए इसकी अधिक खरीद से डॉलर बाहर भेजना पड़ता है और भारत के घरेलू विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव पड़ता है।

अर्थशास्त्रियों के अनुसार भारत के लिए कच्चे तेल और सोने में एक समानता है। दोनों का बड़ा हिस्सा विदेशों से खरीदा जाता है और भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया जाता है। जब तेल महंगा होता है और साथ ही सोने की मांग भी बढ़ जाती है, तब देश को आयात के लिए अधिक डॉलर खर्च करने पड़ते हैं। इससे चालू खाते का घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव आता है। यही कारण है कि आर्थिक संकट के समय सरकारें अक्सर सोने के आयात को नियंत्रित करने के उपाय करती रही हैं। अतीत में भी आयात शुल्क बढ़ाने, आयात पर रोक लगाने और वैकल्पिक योजनाओं को बढ़ावा देने जैसे कदम उठाए जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक विदेश यात्राएं, विदेशी पर्यटन और विदेशों में आयोजित होने वाले विवाह समारोह भी एक वर्ष तक टालने का आग्रह किया। उनका कहना था कि मध्यम वर्ग में विदेश घूमने और विदेश में विवाह करने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन मौजूदा वैश्विक संकट के समय विदेशी मुद्रा बचाना राष्ट्रीय आवश्यकता बन गया है। इस बीच, अमेरिका ईरान युद्ध का असर वैश्विक सोना बाजार पर भी दिखाई दे रहा है। आम तौर पर युद्ध और भू–राजनीतिक तनाव के समय निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश मानते हैं, जिससे इसकी कीमतें बढ़ती हैं। लेकिन इस बार स्थिति जटिल है क्योंकि तेल की कीमतों में उछाल से महंगाई और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे बने रहने की आशंका बढ़ गई है। ऊंची ब्याज दरों के कारण निवेशक सोने की बजाय ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इसी कारण युद्ध की अनिश्चितता के बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में उतार–चढ़ाव बना हुआ है। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री ने केवल ईंधन और सोने तक ही अपनी अपील सीमित नहीं रखी। उन्होंने खाद्य तेल की खपत घटाने, रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक खेती तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की भी बात कही। उनका कहना था कि किसी भी तरह विदेशी मुद्रा की बचत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और देश को आत्मनिर्भर बनाने में हर नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है।

हालांकि विपक्ष ने प्रधानमंत्री की इस अपील पर सवाल भी उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा है कि सरकार ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही है और अब आम लोगों पर बोझ डाल रही है। दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री की अपील को दूरदर्शी कदम बताते हुए कहा कि इससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में अधिक सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन सकेगा।

हर हाथ में माइक, हर आवाज पत्रकार नहीं

–प्रियंका सौरभ–

आज के डिजिटल युग में सूचना का प्रवाह पहले से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो चुका है। स्मार्टफोन और सस्ते इंटरनेट ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच दे दिया है। एक ओर यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, वहीं दूसरी ओर यह स्थिति कई गंभीर चुनौतियाँ भी लेकर आई है। विशेषकर तब, जब कुछ लोग मात्र 100दृ200 रुपये के माइक और कैमरे के सहारे स्वयं को "पत्रकार" घोषित कर लेते हैं और बिना किसी जिम्मेदारी के सूचनाएँ प्रसारित करने लगते हैं। यह समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि उस सोच की है, जो पत्रकारिता को एक जिम्मेदार सामाजिक दायित्व की बजाय व्यूज और लाइक्स के खेल में बदल देती है।

डिजिटल मीडिया ने पत्रकारिता को लोकतांत्रिक बनाया है। अब केवल बड़े मीडिया हाउस ही सूचना के वाहक नहीं रहे, बल्कि आम नागरिक भी घटनाओं को रिकॉर्ड कर समाज के सामने ला सकते हैं। कई बार यही नागरिक पत्रकारिता उन मुद्दों को उजागर करती है, जिन्हें मुख्यधारा का मीडिया नजरअंदाज कर देता है। यह बदलाव लोकतंत्र के लिए शक्ति का स्रोत भी है, क्योंकि इससे आवाजों की विविधता बढ़ती है और सत्ता के हर स्तर पर जवाबदेही की मांग मजबूत होती है। लेकिन यही खुलापन जब बिना जिम्मेदारी के इस्तेमाल होता है, तो यही ताकत कमजोरी में बदल जाती है।

आज सोशल मीडिया पर "वायरल" होना ही सफलता का पैमाना बन गया है। इस दौड़ में कुछ लोग विवाद, सनसनी और अधूरी जानकारी के सहारे लोकप्रियता हासिल करने की कोशिश करते हैं। वे जानते हैं कि तीखी भाषा, आरोप और उत्तेजना लोगों का ध्यान खींचती है, इसलिए वे तथ्यों की बजाय भावनाओं को उकसाने पर अधिक जोर देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि समाज में भ्रम फैलता है और सच–झूठ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। लोग बिना पुष्टि किए ही किसी भी सूचना को सच मान लेते हैं, जिससे अफवाहें तेजी से फैलती हैं और उनका प्रभाव गहरा

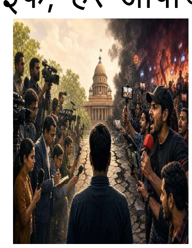

होता जाता है।

इसका सीधा असर सरकारी संस्थाओं पर भी पड़ता है। सरकारी संस्थाएँ किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक रीढ़ होती हैं और उनका उद्देश्य जनसेवा है। यदि उनके बारे में गलत या भ्रामक जानकारी फैलती है, तो जनता का विश्वास कमजोर होता है। यह विश्वास किसी एक खबर से नहीं, बल्कि लगातार फैलती अधूरी या भ्रामक सूचनाओं से धीरे–धीरे क्षीण होता है। परिणामस्वरूप, लोग व्यवस्था पर संदेह करने लगते हैं, जो अनावश्यक टकराव और असंतोष को जन्म दे सकता है। यह भी उतना ही सच है कि सरकारी संस्थाएँ त्रुटिहीन नहीं हैं, लेकिन उनकी कमियों को उजागर करने का तरीका तथ्यपूर्ण और जिम्मेदार होना चाहिए, न कि केवल सनसनी के लिए।

हर छोटे माइक वाले व्यक्ति को "नकली पत्रकार" कहना भी उतना ही गलत है, जितना हर वायरल खबर को सच मान लेना। पत्रकारिता का मूल्य उपकरणों से नहीं, बल्कि दृष्टिकोण, ईमानदारी और जिम्मेदारी से तय होता है। कई बार छोटे और स्वतंत्र पत्रकार ही जमीनी सच्चाई सामने लाते हैं, जबकि बड़े संस्थान भी कभी–कभी दबावों में चूक कर बैठते हैं। इसलिए समस्या को "छोटे बनाम बड़े" के रूप में देखने के बजाय "जिम्मेदार बनाम गैर–जिम्मेदार" के रूप में समझना अधिक उचित है। असली संकट पत्रकारिता के मूल्यों में गिरावट का है, जहाँ नैतिकता और तथ्य–जांच की जगह जल्दबाजी और लोकप्रियता ने ले ली है।

समाधान किसी एक कदम में नहीं छिपा हैय यह सामूहिक प्रयास से ही संभव है। सबसे पहले समाज को मीडिया साक्षर बनना होगा, ताकि लोग हर सूचना को बिना जांचे–परखे स्वीकार न करें। उन्हें समझना होगा कि किसी खबर की विश्वसनीयता उसके स्रोत, प्रमाण और संदर्भ से तय होती है, न कि उसके वायरल होने से। साथ ही, फर्जी खबर फैलाने वालों पर सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई भी जरूरी है, ताकि यह स्पष्ट संदेश जाए कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता नहीं है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और भ्रामक कंटेंट पर नियंत्रण के लिए प्रभावी तंत्र विकसित करना होगा।

पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रशिक्षण और नैतिक मानकों की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस की जा रही है। पत्रकार बनने के लिए औपचारिक डिग्री अनिवार्य नहीं हो सकती, लेकिन बुनियादी समझ, तथ्य–जांच की प्रक्रिया और समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध होना आवश्यक है। इसके साथ ही, जो लोग ईमानदारी और संतुलन के साथ काम कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना भी उतना ही जरूरी है, ताकि सकारात्मक उदाहरण स्थापित हो सकें।

आज की सबसे बड़ी आवश्यकता संतुलन की है। न तो हर छोटे पत्रकार को खारिज करना उचित है, और न ही हर खबर पर आंख मूंदकर विश्वास करना। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सूचना का यह नया युग अवसर और खतरे दोनों लेकर आया है। इसे रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसे सही दिशा जरूर दी जा सकती हैकृऔर यह दिशा तभी संभव है जब समाज, मीडिया और शासन तीनों अपनी–अपनी जिम्मेदारियों को समझें।

अंततः पत्रकारिता केवल माइक या कैमरे का खेल नहीं है, बल्कि यह सत्य के प्रति प्रतिबद्धता है। यदि यह प्रतिबद्धता कमजोर पड़ती है, तो पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। सरकारी संस्थाओं की आलोचना जरूरी है, लेकिन वह तथ्य और संतुलन पर आधारित होनी चाहिए। वहीं, समाज को भी यह समझना होगा कि हर आवाज को एक ही नजरिए से नहीं देखा जा सकता। असली संघर्ष "नकली बनाम असली" का नहीं, बल्कि "सत्य बनाम सनसनी" का है और इस संघर्ष में वही आगे बढ़ेगा, जो जिम्मेदारी, ईमानदारी और विवेक को अपना आधार बनाएगा।

विनेश फोगाट बिना कमेटी निर्णय कुश्ती नहीं खेल पाएंगीः –अध्यक्ष संजय सिंह

संवाददाता–गोण्डा। भारतीय कुश्ती संघ (डब्लूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने गोंडा के नंदिनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में पहलवान विनेश फोगाट के आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि विनेश फोगाट बिना कमेटी के निर्णय के कुश्ती प्रतियोगिता में वह कल भाग नहीं ले पाएंगी। विनेश को पंजीकरण के बाद एक नोटिस जारी की गई थी। इस नोटिस का जवाब दिए बिना वह प्रतियोगिता में शामिल नहीं हो सकतीं। उन्होंने कहा कि विनेश यहां कुश्ती खेलने की अनुमति मांगने आई थीं, जो भारतीय कुश्ती संघ के संविधान और नियमों के विरुद्ध है। अध्यक्ष ने विनेश के आरोपों पर कहा कि संघ किसी का करियर खत्म नहीं कर रहा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि संघ उनके सभी आरोपों का जवाब देने के मूड में नहीं है, क्योंकि कुश्ती सही दिशा में आगे बढ़ रही है। तीन मैट पर कुश्ती कराने के आरोप पर संजय सिंह ने स्पष्ट किया कि प्रतियोगिता चार मैट पर आयोजित की जा रही है। उन्होंने बताया कि अधिक पंजीकरण के कारण कुश्ती देर रात तक चली। भविष्य में पंजीकरण को देखते हुए प्रत्येक कैटेगरी की प्रतियोगिता दो दिन तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि विनेश कल आना चाहती हैं तो उनका स्वागत है, लेकिन वह प्रतियोगिता में शामिल नहीं हो पाएंगी।

संजय सिंह ने धार्मिक संदर्भों का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा कि ईश्वर सब देख रहा है कि कौन किस भावना से काम कर रहा है। उन्होंने विनेश की सुरक्षा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह सुरक्षित आईं, अपनी बात रखी और चली गईं जिससे उनकी सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है। वहीं ट्रेनिंग सेंटर बंद होने के आप पर कहा कि एक समय होता है इस समय ट्रेनिंग सेंटर को ट्रेनिंग के लिए खोला जाता है हर समय वह ओपन नहीं रहता है। सभी खिलाड़ी यहां पर हैं समय पर उसके अंदर जाकर की कुश्ती लड़ रहे हैं प्रतियोगिता की तैयारी कर रहे हैं। भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह ने विनेश फोगाट द्वारा लगाए गए आरोपों और अभद्र टिप्पणी को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि विनेश की भाषा और व्यवहार से ही समझा जा सकता है कि वह किस तरह की पहलवान हैं।

संजय सिंह ने कहा, "हमारी उम्र में काफी अंतर है, लेकिन जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया, उससे सब कुछ साफ हो जाता है। उनके यहां आने का मकसद क्या था, यह अब पूरा हिंदुस्तान समझ चुका है।"

उन्होंने बताया कि विनेश को 15 बिंदुओं पर जवाब देने के लिए नोटिस दिया गया था, लेकिन उन्होंने केवल एक बिंदु का जवाब दिया। साथ ही कोई भी सपोर्टिंग डॉक्युमेंट्स उपलब्ध नहीं कराए गए। संजय सिंह के मुताबिक, "उन्होंने सिर्फ मुझे मेल किया है। मैंने उनसे बाकी 14 बिंदुओं पर भी जवाब मांगा है। अंदर बातचीत के दौरान उन्होंने खुद इस बात को स्वीकार किया और वह हमसे संतुष्ट होकर यहां से गई थीं।"

उन्होंने आगे कहा कि वह भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव जीतकर इस पद पर पहुंचे हैं। "मैं किसी की दया पर अध्यक्ष नहीं बना हूं। 28 राज्यों ने इस चुनाव में हिस्सा लिया था। सिर्फ सुर्खियों में बने रहने के लिए इस तरह की बयानबाजी की जा रही है।"

बहू भोज के दिन दूल्हे की सड़क हादसे में मौतः शादी के तीसरे दिन गई जान

प्रमोद कुमार, मृतक

संवाददाता–बलरामपुर। जिले में बहू भोज के दिन एक नवविवाहित युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। रविवार रात करीब 8 बजे युवक किसी काम से बाइक से सेमरी की ओर जा रहे थे।

इसी दौरान गांव के बाहर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में प्रमोद गंभीर रूप से घायल हो गए। बहराइच जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। मामला महराजगंज तराई थाना क्षेत्र के मैनहवा गांव का है।

जानकारी के अनुसार, मैनहवा गांव निवासी सहज राम यादव के बड़े बेटे प्रमोद कुमार यादव (26) का विवाह 8 मई को सिद्धार्थनगर के बरदहा नानकार निवासी कुसुम यादव के साथ हुआ था। शनिवार को बारात वापस लौटी थी और रविवार को घर में बहू भोज का आयोजन चल रहा था। घर में रिश्तेदारों और मेहमानों की भीड़ थी।

रविवार रात करीब 8 बजे प्रमोद कुमार यादव किसी काम से मोटरसाइकिल से सेमरी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान गांव के बाहर किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में प्रमोद गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें तत्काल बलरामपुर जिला अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें बहराइच जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

प्रमोद की मौत की खबर घर पहुंचते ही बहू भोज का माहौल चीख–पुकार में बदल गया। नई नवेली दुल्हन समेत पूरे परिवार का रो–रोकर बुरा हाल है। बहू भोज के लिए लगाए गए टेंट, कुर्सियां और बर्तन अब भी वैसे ही पड़े हैं।प्रमोद अपने तीन भाइयों में सबसे बड़े थे और परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। दूल्हा बाहर रहकर प्राइवेट नौकरी करता था, जबकि दुल्हन घरेलू लड़की है। जिस आंगन में कुछ घंटे पहले तक शादी की रस्में और खुशियां थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

संवाददाता–देवरिया। सलेमपुर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रिश्तेदार के साथ बाजार से लौटने के बाद महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। उसे इलाज के लिए पहले सलेमपुर स्वास्थ्य केंद्र और फिर महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान कोड़रा ठाकुर गांव निवासी पवन यादव की पत्नी ममता देवी (35) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सोमवार दोपहर ममता देवी एक रिश्तेदार के साथ बाजार गई थीं। घर लौटने के कुछ देर बाद उनकी तबीयत अचानक खराब होने लगी। हालत गंभीर होने पर रिश्तेदार उन्हें तत्काल सलेमपुर स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचा। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर देखते हुए महिला को महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। परिजन और रिश्तेदार महिला को मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन वहां जांच के बाद चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का कहना है कि ममता देवी की शादी करीब दस वर्ष पहले हुई थी। उनके परिवार में चार बेटियां और एक बेटा है। महिला का गायका चिकया क्षेत्र में बताया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है।

भाजपा ने 2027 चुनाव की तैयारी शुरू कीः जिला मंत्री ने 'राष्ट्र प्रथम' भावना से काम करने का आह्वान किया

संवाददाता–कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री ने कार्यकर्ताओं से 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी अभी से शुरू करने का आह्वान किया है। उन्होंने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बताते हुए कहा कि इसकी ताकत संगठन, कार्यकर्ताओं और राष्ट्रवादी विचारधारा में निहित है।

सोमवार को विशुनपुरा ब्लॉक समागार में भाजपा विशुनपुरा मंडल की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए जिला मंत्री ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र 'व्यक्ति से बड़ा दल और दल से बड़ा राष्ट्र' है। उन्होंने जोर दिया कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ कार्य करता है, जो भाजपा की सबसे बड़ी पूंजी है। जिला मंत्री ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक डबल इंजन सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने की अपील की। उन्होंने पात्र लोगों को इन योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करने का भी आग्रह किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मासिक मंडल बैठक, शक्ति केंद्र बैठक, बूथ बैठक और श्मन की बातश् कार्यक्रम को नियमित रूप से आयोजित करने पर बल दिया। पूर्व जिला उपाध्यक्ष ने भी संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष चौहान ने की, जबकि मंडल महामंत्री जवाहर पाल ने इसका संचालन किया। पूर्व मंडल अध्यक्ष कपिल देव लाल श्रीवास्तव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राधेश्याम गुप्ता, विवेक पाण्डेय, हीरालाल कुशवाहा, संजय राय, श्रीकांत जायसवाल, उगनी देवी, संजीव उपाध्याय, सुरेंद्र जायसवाल, पूनम कुशवाहा, योगेन्द्र चौहान, ईश्वरदेव शर्मा, शैलेश गुप्ता और कृष्ण बिहारी गौड़ सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिता की मौत के बाद बेटा बोला–मां को फांसी होः पत्नी ने भतीजी के कलेवे में जाने से किया था मना, पति ने ट्रेन से कटकर दी जान

संवाददाता–कुशीनगर। रविवार शाम 7 बजे लक्ष्मीपुर निवासी विनोद शाह ने ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। मृतक का सिर, दोनों हाथ और एक पैर शरीर से अलग होकर दूर जा गिरे थे। वह 10 दिन पहले ही भतीजी की शादी के लिए गुजरात से आए थे। सोमवार को भतीजी का कलेवा जाना था। मृतक विनोद शाह की पत्नी ने भतीजी के कलेवे में जाने से इनकार किया। इसके बाद भी विनोद कलेवे में जाने की जिद पर अड़े रहे। इसी बात को लेकर दोनों में मारपीट हुई। इस मारपीट में पति का सिर फूट गया। विवाद के बाद विनोद शाह देर शाम घर से निकले। काफी देर तक वापस न आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। पुलिस ने सूचना दी कि उनका क्षत–विक्षत शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ है। मृतक के बेटे ने कहा कि मां को फांसी होनी चाहिए। यह पूरा मामला कुबेरस्थान थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर का है। जिले के कुबेरस्थान थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर में विनोद शाह चार भाइयों में सबसे छोटे थे। उनकी शादी करीब 12 वर्ष पहले रीना देवी से हुई थी। दंपति के तीन बच्चे कृष्णा (8 वर्ष), रितेश (6 वर्ष) और सत्यम (4 वर्ष) हैं। विनोद शाह 8 साल से गुजरात में पेंट ठेकेदारी का काम करते थे। वह करीब 10 दिन पहले ही गांव लौटे थे।

विनोद शाह के बड़े भाई की बेटी की शादी में शामिल होने आए थे। 5 मई को परिवार में शादी थी। 11 मई को कलेवा कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। इससे दो दिन पहले यानी 9 मई को पत्नी ने कलेवा में जाने से मना किया। लेकिन विनोद शाह कलेवा में जाने की जिद पर अड़े रहे। कार्यक्रम में जाने से मना करने पर दोनों के बीच तीखी कहासुनी हुई। रीना ने खुद के साथ बच्चों को भी कमरे में बंद कर लिया।

मृतक के बड़े बेटे कृष्णा शाह ने बताया कि घटना वाले दिन उसकी मां ने घर को अंदर से बंद कर लिया था। मां ने बच्चों की पिटाई भी की। पिता ने दरवाजा खोलने की कोशिश की तो मां ने धमकी दी कि अगर दरवाजा टूटा तो बच्चों को जान से मार दूंगी। उन्होंने गर्दन पर चाकू रखा था और बेल्ट से पिटाई की थी। इसी के बाद पिता ने आत्महत्या कर ली। मां को फांसी होनी चाहिए।

पति–पत्नी में हुए विवाद में पति विनोद शाह का सिर फूट गया। विवाद के बाद विनोद शाह देर शाम करीब 6 बजे घर से निकल गए। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी बीच, शाम 7 बजे पुलिस से सूचना मिली कि रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव मिला है। सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंचे। ट्रेन से कटने के कारण शव बुरी तरह क्षत–विक्षत हो गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक का सिर, दोनों हाथ और एक पैर शरीर से अलग होकर दूर जा गिरे थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भतीजे अरुण शाह ने आरोप लगाया कि दो दिन पहले भी चाची ने उनके चाचा के साथ मारपीट की थी, जिसमें उनका सिर फट गया था। इसके बाद चाची ने खुद को बच्चों के साथ घर के अंदर बंद कर लिया था। वह दरवाजा खोलने पर बच्चों को जान से मारने की धमकी दे रही थी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने करीब रात 10 बजे दरवाजा तोड़कर महिला को बाहर निकाला और पूछताछ के लिए थाने ले गई।

डीएम ने किया राप्ती नहर का निरीक्षण कियाःटेल तक पानी पहुंचाने का निर्देश

–संवाददाता–बलरामपुर। बलरामपुर में खरीफ सीजन से पहले किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने हरैया सतघरवा क्षेत्र में राप्ती मुख्य नहर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने किलोमीटर 45 से 50 के बीच नहर से संचालित कुलाबों और गुलों की स्थिति का जायजा लिया। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी हाल में किसानों को पानी की कमी नहीं होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नहरों में जमी सिल्ट और गंदगी पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने तत्काल सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि कुलाबों की सिल्ट सफाई समय पर पूरी की जाए, ताकि नहर का पानी अंतिम छोर (टेल) तक बिना बाधा पहुंच सके और किसानों को सिंचाई संकट का सामना न करना पड़े। इसके अतिरिक्त, जिलाधिकारी ने खरआर पहाड़ी नाले पर सिंचाई विभाग द्वारा प्रस्तावित परियोजना का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षेत्र के असिंचित इलाकों को सिंचाई सुविधा से जोड़ने के लिए विशेष परियोजना तैयार कर तेजी से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए, जिससे अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्थानीय किसानों और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर सिंचाई व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की जानकारी ली। किसानों ने कई स्थानों पर पानी अंतिम छोर तक न पहुंचने की समस्या बताई, जिस पर डीएम ने अधिकारियों को फील्ड स्तर पर नियमित निगरानी के निर्देश दिए। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने स्पष्ट किया कि आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए सिंचाई व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया, ताकि किसानों को समय पर पर्याप्त पानी मिल सके। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता राप्ती नहर संतोष कुमार, अधिशासी अभियंता चिलौड़गढ़ बंधा सहित सिंचाई विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारत–नेपाल सीमा पर दो गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। भारत–नेपाल सीमा से सटे क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसते हुए पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। इस अभियान के तहत एनडीपीएस एक्ट से जुड़े दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पचपेड़वा थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अर्जुन सिंह, कांस्टेबल सत्येन्द्र प्रताप सिंह और एसएसबी 50वीं बटालियन की एफ कंपनी त्रिलोकपुर के एसआई जीडी मंगताराम चौहान की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान मनोज कुमार यादव (24) पुत्र नरसिंह यादव और विकास (21) पुत्र कमलेश कश्यप के रूप में हुई है। ये दोनों सिद्धार्थनगर जिले के ढेबरुआ थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर–3, लोहिया नगर के निवासी हैं। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पत्नी से झगड़े के बाद काट डाला अपना प्राइवेट पार्ट, गोरखपुर रेफर

संवाददाता–कुशीनगर। पत्नी से झगड़े के बाद पति ने चाकू से अपना प्राइवेट पार्ट काट डाला। लिंग कटकर पूरा अलग हो गया। मां खेत से लौटी तो युवक दर्द से कराह रहा था। बेटा जमीन पर गिरा हुआ था और उसकी पैंट खून से लथपथ थी। मां ने युवक को तत्काल सीएचसी में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालत में सुधार न होने पर देर रात गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। युवक के पिता ने बताया– पिछले 5 साल से पत्नी से लगातार विवाद के चलते मेरा बेटा बहुत अधिक शराब पीने लगा था। कुछ दिन पहले भी पारिवारिक विवाद के चलते उसने जहर खाकर सुसाइड करने की कोशिश की थी। तीन महीने पहले भी अपने बायें हाथ का अंगूठा काटकर अलग कर दिया था। दो महीने पहले पत्नी झगड़ा करके अपनी दोनों बेटियों को लेकर बहन के घर रहने चली गई थी। जिसके बाद से युवक मानसिक रूप से काफी परेशान था। जिसके चलते विवाद होता था। मामला जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर हनुमानगंज थाना क्षेत्र के टेंगरहा गांव का है। पूरा मामला जानिए...

हनुमानगंज थाना क्षेत्र के छितौनी नगर पंचायत के टेंगरहा गांव निवासी रोहित चौहान (32) की 13 साल पहले नौरंगी थाना क्षेत्र के दुबौलिया गांव की रहने वाली सुरजावती (29) से शादी हुई थी। रोहित शहर में रहकर मेहनत मजदूरी करता था। दोनों के कुल 4 बच्चे (दो बेटे और दो बेटियां) हैं। पत्नी अपने सास–ससुर के साथ गांव में रहती थी। 5 साल पहले दोनों का झगड़ा शुरू हो गया। करीब दो साल पहले रोहित नौकरी छोड़कर घर चला आया। इसके बाद से वह घर पर ही रहता था। आर्थिक तंगी के चलते घर में झगड़े बढ़ते गए। रोहित शराब पीकर अक्सर घर में पत्नी–बच्चों से मारपीट करता था। पिता जगलाल चौहान ने बताया– करीब दो महीने पहले पत्नी से रोहित का झगड़ा हुआ था। जिसके बाद बहू अपनी दोनों बेटियों को लेकर अपनी बहन के घर रहने चली गई थी। दोनों बेटों को अपने मायके भेज दिया था। रोहित ने कई बार उसे वापस घर आने को कहा, पर वह नहीं मानी। पिता ने बताया– मैं रविवार सुबह मंदिर चला गया था। पत्नी खेत पर काम करने चली गई थी। शाम करीब 4 बजे वापस पहुंची तो दरवाजे से ही बेटे की कराहने की आवाज सुनी। अंदर गई तो रोहित जमीन पर पड़ा हुआ था। उसकी पैंट खून से भीगी थी। पत्नी की चीख–पुकार सुनकर पड़ोसी मदद को पहुंचे। रोहित को तुरकहां सीएचसी ले गए। जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। देर रात हालत में सुधार न होने पर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया।

पहले भी खुद को कई बार पहुंचा चुका नुकसान पिता ने बताया– तीन महीने पहले भी बहू से बेटे का झगड़ा हुआ था। जिसके बाद उसने चाकू से अपने बायें हाथ का अंगूठा भी चाकू से काटकर अलग कर दिया था। कुछ दिन पहले जहर खाकर सुसाइड करने की कोशिश की थी। करीब 6 महीने पहले अपने ही बड़े बेटे का गंडासे से गला काटने जा रहा था, पर परिवार के लोगों ने रोक लिया। जिला अस्पताल पहुंचे रिश्तेदारों ने बताया– सुरजावती अक्सर विवाद करती थी। जिसके कारण रोहित नौकरी छोड़कर घर लौट आया था। पत्नी को समझाने की कोशिश की तो वह झगड़े करने लगी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। पिता जगलाल ने बताया– पत्नी से झगड़े के कारण ही रोहित नशे का आदी हो गया था। 5 साल से मानसिक तनाव से गुजर रहा था। बार–बार सुसाइड करने की कोशिश करता था। रोहित उनका इकलौता बेटा है। एक बेटी भी है, जिसकी शादी हो चुकी है।

टेंपो की कार से टक्कर, 9 लोग घायल

संवाददाता–देवरिया। जिला मुख्यालय के भटवलिया चौराहे पर सोमवार शाम करीब छह बजे एक तेज रफ्तार टैंपो ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में टैंपो में सवार नौ लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में वृंदा देवी (40), सुंदरी (15), सत्यम उर्फ कालू चौहान (18) (निवासी गडेर), धर्मेंद्र कन्नौजिया (35), उनकी पत्नी साधना (32), देवांश (4) (निवासी बैतालपुर क्षेत्र), शशि कपूर (18) पुत्र रम्भू कन्नौजिया (निवासी मागा कोट, थाना रुद्रपुर), किशन (5) पुत्र धर्मेंद्र कन्नौजिया, सत्यम पांडेय (13) और संतोष (निवासी बरारी, गौरीबाजार) शामिल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टैंपो तेज गति से आ रहा था। भटवलिया चौराहे के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और टैंपो सामने चल रही कार से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि टैंपो में बैठे यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

इफको केंद्र पर खाद के लिए किसानों की लाइन, घंटों इंतजार के बाद भी कई किसानों को नहीं मिली खाद

संवाददाता–महराजगंज। महराजगंज स्थित इफको किसान सेवा केंद्र पर सोमवार को खाद लेने पहुंचे सैकड़ों किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ा। खाद की कमी और वितरण में देरी के कारण कई किसानों को बिना खाद के लौटना पड़ा।

किसान सुबह से ही केंद्र के बाहर लंबी कतारों में खड़े थे। कुछ किसानों ने बताया कि वे रात से ही अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन दोपहर तक भी उन्हें खाद नहीं मिल पाई।

तेज धूप और उमस भरे मौसम में घंटों इंतजार करने के बावजूद कई किसानों को खाद नहीं मिली। किसानों ने आरोप लगाया कि वितरण व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। इस दौरान कई बुजुर्ग किसान भीड़ में खड़े दिखाई दिए, जिससे किसानों में असंतोष देखा गया।

केंद्र प्रभारी आदित्य पांडे ने बताया कि खाद पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और इसका वितरण प्रतिदिन किया जा रहा है। हालांकि, किसानों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने की मांग की है, ताकि उन्हें इस तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

आमने–सामने की टक्कर के बाद एक कार में लगी आग, फंसे यात्रियों को स्थानीय लोगों ने बचाय

संवाददाता–बहराइच। सोमवार दोपहर लखनऊ–बहराइच राजमार्ग पर दो कारों की आमने–सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक कार में अचानक आग लग गई। हादसे में छह लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर दोनों वाहनों में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और उनकी जान बचाई। दुर्घटना फखरपुर थाना क्षेत्र के रुकनापुर स्थित एक मदरसे के सामने हुई। यहां एक अर्टिगा और स्विफ्ट कार के बीच सीधी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद स्विफ्ट कार में आग लगने से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े।

हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने सक्रियता दिखाते हुए दोनों कारों में फंसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। हाफिज शफीउद्दीन, हाफिज इस्लामुद्दीन और हाफिज शहीदुद्दीन समेत अन्य ग्रामीणों ने जान जोखिम में डालकर बचाव कार्य किया। अर्टिगा कार में सवार घायल यात्रियों की पहचान जितेंद्र लाल पुत्र रघुराई प्रसाद, मिथिलेश पुत्र रामदेव, अमोल्या कुशवाहा पुत्री अशोक कुशवाहा, मीणा कुशवाहा पत्नी अशोक कुशवाहा और अगम्य सिंह पुत्री उमेश सिंह निवासी बहराइच के रूप में हुई है। मदरसे के एक शिक्षक ने बताया कि हादसे के समय वह बच्चों को पढ़ा रहे थे। अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। बाहर निकलकर देखा तो दोनों कारें टकराई हुई थीं और एक वाहन में आग लगी थी। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बाहर निकाला गया।

सूचना मिलने पर कुंडासर चौकी प्रभारी पी.एन. पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को एम्बुलेंस की मदद से कैसरगंज स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। हादसे में जितेंद्र, मिथिलेश, मीणा और अगम्य समेत कुल छह लोग घायल बताए गए हैं।

आंगनवाड़ी सहायिकाओं से मोबाइल वितरण में घूस मांगी गई

संवाददाता–बहराइच। हकीमपुरवा स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में आंगनवाड़ी सहायिकाओं को सरकारी मोबाइल वितरण के दौरान कर्मचारियों पर घूस मांगने का आरोप लगा है। सहायिकाओं का कहना है कि उनसे प्रति मोबाइल 500 रुपए की मांग की जा रही थी। यह घटना सोमवार दोपहर करीब 2 बजे सीडीपीओ कार्यालय में हुई, जब शासन द्वारा दिए गए मोबाइल बांटे जा रहे थे। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में सहायिकाएं मौजूद थीं। कुछ सहायिकाओं ने पैसे देकर मोबाइल लेने से इनकार कर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद मोबाइल बांट रहे कर्मचारियों ने पैसे लेना बंद कर दिया। बाद में कुछ सहायिकाओं को उनके पैसे वापस भी लौटा दिए गए। सहायिकाओं ने बताया कि घूसखोरी की शिकायत करने पर उन्हें अपने सेंटर की जांच करवा जाने की धमकी दी जाती है। कार्यालय के बाहर मौजूद दो व्यक्तियों ने भी कर्मचारियों द्वारा पैसे लेने की बात कही। एक अन्य सहायिका ने बताया कि जब उसने पैसे देने से इनकार किया, तो उसे बिना पैसे लिए ही मोबाइल दे दिया गया। सहायिकाओं के अनुसार, बाल विकास परियोजना कार्यालय में घूसखोरी आम बात हो गई है। कार्यालय के दो कमरों में से एक में सीडीपीओ बैठते हैं, जबकि दूसरे कमरे में कथित तौर पर घूसखोरी चलती रहती है। हालांकि, सीडीपीओ इन आरोपों से इनकार करते हैं।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्याः कोलकाता पुलिस ने तीन को दबोचा

संवाददाता–अयोध्या। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में कोलकाता पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से दो आरोपी बक्सर बिहार के रहने वाले हैं। जबकि, तीसरा आरोपी यूपी के बलिया का रहने वाला है। लेकिन, वर्तमान यह भी बक्सर में ही रहता है। इनमें से एक आरोपी राज सिंह अयोध्या के नगर कोतवाली क्षेत्र से पकड़ा गया है। हालांकि, इस मामले में जिले की पुलिस कुछ भी बोलने से इनकार कर रही है। इसके अलावा मयंक मिश्रा और विक्की मौर्या को बक्सर से ही गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों मूल रूप से बक्सर के ही रहने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, मूल रूप से बलिया का रहने वाला राज सिंह लखनऊ की तरफ से लखनऊ–गोरखपुर हाईवे से आ रहा था। सुरक्षा एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर कोलकाता पुलिस ने इसे नगर कोतवाली क्षेत्र की सीमा में हाईवे से ही गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, अभी तक इसके संबंध में ठोस साक्ष्य सामने नहीं आए हैं। पुलिस अधीक्षक नगर चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जानकारी की जा रही है। बताते चलें कि पश्चिम बंगाल में हुए इस चर्चित हत्याकांड के बाद से वहां की पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश में यूपी समेत कई राज्यों में दबिश दे रही थी। जांच एजेंसियां मोबाइल कॉल डिटेल, लोकेशन ट्रैकिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों तक पहुंचने का प्रयास कर रही थीं। अब मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। बताया जा रहा है कि कोलकाता पुलिस आज दोपहर में प्रेस वार्ता करके गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देगी।

सूत्रों के अनुसार, बंगाल पुलिस कई दिनों से राज सिंह की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। रविवार देर रात पुलिस टीम ने उसे अयोध्या में दबोच लिया और पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई। गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही बलिया के सदर कोतवाली क्षेत्र के आनंद नगर मोहल्ले में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। बता दें कि खुद को समाजसेवी कहने वाला राज सिंह जिले के वार्ड नंबर 15 से सभासद का चुनाव भी लड़ चुका है। राज सिंह के आनंद नगर स्थित आवास पर सोमवार को ताला बंद मिला। स्थानीय लोगों का कहना है कि उसके परिवार के सदस्य कहीं और चले गए हैं। मोहल्ले में दहशत और सन्नाटा पसरा हुआ है। पड़ोसियों के मुताबिक देर रात कई गाड़ियों के पहुंचने की आवाज सुनाई दी थी। इसके बाद सादे कपड़ों में कुछ लोग मोहल्ले में पहुंचे और पूछताछ करने के बाद वापस लौट गए। हालांकि स्थानीय लोग खुलकर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। चर्चा है कि राज सिंह को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त था। बताया जा रहा है कि कुछ वर्ष पूर्व सदर कोतवाली क्षेत्र में एक अंडा दुकानदार को गोली मारने के मामले में भी उसका नाम सामने आया था।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय बस्ती जिला–बस्ती
हरीराम आदि
बनाम
जयराम आदि

1. रामनरेश 2. रमेशचन्द्र 3. रामसुरेश पुत्रगण स्व0 गोवर्धन 4. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी स्व0 गोवर्धन 5. मो0 नईम 6. मुनवर हुसेन पुत्रगण मो0 सिद्दीक 7. श्रीमती जुबैदा बेगम पत्नी मो0 सिद्दीक साकिनान चमरौहा सियरापार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूर्व तहसील व जिला बस्ती 8. श्रीमती रीमा चौरसिया पत्नी विवेकानन्द चौरसिया साकिन कन्दरोई तप्पा हवेली परगना भिंगापार तहसील सहजनवा जिला गोरखपुर 9. श्रीमती अजीजुन्निशा पत्नी मो0 फकीर साकिन खेराखार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
इजरा वाद सं0–03/2023
विजय कुमार
बनाम
सूर्यनाथ आदि

1/3 विशाल उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र स्व0 सूर्यनाथ 1/4 कु0 गुन्जन उम्र लगभग 23 वर्ष पुत्री स्व0 सूर्यनाथ निवासीगण ग्राम राजाबाजार पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 27–05–2026

हरगाह मुददई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुददई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुददाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 27 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक महोदय बस्ती जिला–बस्ती
बेचूराम आदि
बनाम
दुखीराम आदि

1. दुखीराम पुत्र जयकरन 2. जगत पुत्र रामलौट 3. सोमनाथ 4. रमेश 5. जयबहादुर 6. छोटेलाल पुत्रगण स्व0 श्री सीताराम 7. श्रीमती सासमती पत्नी स्व0 श्री सीताराम साकिनान हड़िया तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 8. सरकार उ0प्र0 जरिये कलेक्टर बस्ती

तारीख पेशी 13–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 13 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–618/2025
अंशू यादव
बनाम
अमीनचन्द आदि

1. अमीनचन्द उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र जयश्री साकिन ग्राम डारीडीहा पोस्ट मिश्रौलिया तप्पा देवरांव परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. इन्द्रावती उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी लल्लू साकिन देवनाथपुर पोस्ट दुबौलिया तप्पा दुबौलिया परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 22–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–376/2025
शिवशंकर
बनाम
शिव कुमार आदि

1– शिवकुमार उम्र लगभग 60 साल 2– सत्यनारायन उम्र लगभग 56 साल पुत्रगण रामचन्दर 3– श्रीमती शकुन्तला देवी उम्र लगभग 60 साल पत्नी बशिष्ठ 4– आशीष कुमार उम्र लगभग 35 साल 5– अभिषेक उम्र लगभग 30 साल पुत्रगण वशिष्ठ साकिनान मौजा रुधौली, कला तप्पा– रुधौली, परगना मगहर पश्चिम तहसील रुधौली जनपद बस्ती

– प्रतिवादी प्रथम वर्ग

6– राज कुमार उम्र लगभग 60 साल बुत्र श्रीराम निवासी मौजा रुधौली, कला तप्पा– रुधौली, परगना मगहर पश्चिम तहसील रुधौली जनपद बस्ती

– प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 29–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

विधायक के काफिले में हादसाः रोडवेज बस से टकराई एस्कॉर्ट गाड़ी, चार पुलिसकर्मी घायल

संवाददाता–गोरखपुर। शहर में भाजपा की बैठक में शामिल होने जा रहे विधायक राजेश त्रिपाठी के काफिले के साथ चल रही एस्कॉर्ट गाड़ी सोमवार सुबह कौड़ीराम में सड़क किनारे तिरछी खड़ी रोडवेज बस से टकरा गई। हादसे में एस्कॉर्ट वाहन में सवार चार पुलिसकर्मी घायल हो गए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल सुरक्षाकर्मियों का इलाज बड़हलगंज स्थित दुर्गावती हॉस्पिटल में चल रहा है। विधायक राजेश त्रिपाठी ने बताया कि वह सोमवार सुबह गोरखपुर में आयोजित भाजपा

की बैठक में शामिल होने जा रहे थे। करीब 10 बजे कौड़ीराम के पास उनके पीछे चल रही एस्कॉर्ट स्कॉर्पियो ओवरटेक करने के दौरान सड़क पर तिरछी खड़ी सरकारी बस से जा टकराई।

टक्कर इतनी तेज थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन में सवार चार सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इनमें दो पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आईं, जबकि अभिषेक यादव और राज नारायण शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों के सिर और पैर में चोटें आई हैं। घटना के बाद घायलों को तत्काल कौड़ीराम में प्राथमिक उपचार दिलाया गया। हालत गंभीर होने पर अभिषेक यादव और राज नारायण शुक्ला को बड़हलगंज स्थित दुर्गावती हॉस्पिटल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

हादसे की जानकारी मिलते ही बड़हलगंज से चेयरमैन प्रतिनिधि महेश उमर, भाजपा नेता राजीव पांडे, अष्टभुजा सिंह समेत कई लोग कौड़ीराम पहुंच गए।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
गुरू प्रसाद तिवारी उर्फ चन्द्र प्रकाश
बनाम
आकाश पाण्डेय आदि

1. आकाश पाण्डेय उम्र लगभग 15 वर्ष पुत्र रामप्रगट उर्फ गंगा प्रसाद संरक्षिका माता अन्नपूर्णा देवी पत्नी रामप्रगट साकिन मरविटया पाण्डेय हाल मुकाम नकटीदेई तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 2. मु0 श्यामपियारी उम्र लगभग 70 वर्ष पत्नी स्व0 जनार्दन प्रसाद साकिन नकटीदेई तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 12–07–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिया महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
अदालत–श्रीमान जे0एम0/ एफ0 टी0 सी0 (सी0ए0डब्ल्यू0) महोदय
बस्ती जिला–बस्ती
इजरा घरेलू हिंसा परिवाद वाद सं0 526/2025
थाना–लालगंज
जिला–बस्ती
किरन कुमारी आदि
बनाम
रामनवल आदि

1– रामनवल उम्र लगभग 69 साल पुत्र रामउग्रह 2 राधिका देवी उम्र लगभग 67 साल पत्नी रामनवल 3– अमरपाल उम्र लगभग 35 साल पुत्र रामनवल 4– इन्द्रपाल उम्र लगभग 32 साल पुत्र रामनवल 5– रामप्रसाद चौधरी उम्र लगभग 30 साल पुत्र रामनवल 6– कु0 आरती उम्र लगभग 26 साल पुत्री रामप्रसाद चौधरी निवासीगण मौजा कुढ़वा पो0 बनकटी थाना– लालगंज जिला बस्ती

– अभियुक्तगण/ विपक्षी गण

तारीख पेशी 16–05–2026

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 16 मास 05 सन् 2026 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदो 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–757/2025
रामदत्त
बनाम
श्रीमती रीना देवी आदि

1. श्रीमती रीना देवी पुत्री स्व0 जगनरायन पत्नी प्रिन्स निवासी ग्राम खिरहिवा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती हाल मुकाम ग्राम मरवटिया कुंवर तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–07–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
उत्तराधिकार प्रकीर्ण वाद सं0 187/2026
सिन्धू सिंह–सायलान

1–सिन्धू सिंह उम्र लगभग 58 वर्ष पत्नी शिव बहादुर सिंह 2–पंकज सिंह उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र शिव बहादुर सिंह साकिनान – भदावल कला तप्पा पुरैना परगना अमौढा तहसील – हर्रैया जिला बस्ती।

तारीख पेशी 13–07–2026

दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 13–07–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदो 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–618/2026
शान्ति विवाहित 2– आरती विवाहित 3–मालती वालिग 4–अर्जुन वालिग 5– क्रान्ति वालिग 6– कुन्ती कुमारी विवाहित 7– चांदनी वालिग 8–सृष्टि नावालिग पुत्र व पुत्रीगण स्व0 लालजी निवासीगण ग्राम– मचखिरिया, तप्पा–कड़र, परगना बस्ती पूरब, तहसील व जिला–बस्ती (सायल)

तारीख पेशी 13–05–2026

दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 13–05–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगद इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–D 202517140001819
धारा 30 (2) उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान मुख्य राजस्व अधिकारी महोदय बस्ती जिला–बस्ती
विष्णु सहाय आदि
बनाम
नूरून्जमा आदि

साकिन गनेशपुर तप्पा गनेशपुर
1. नूरून्जमा खां पुत्र वाजिद अली 2. राजेश कुमार पुत्र रामराज 3. श्रीमती हजरून्निशा पत्नी रसीद 4. रितेश श्रीवास्तव 5. मुकेश श्रीवास्तव 6. रूपेश श्रीवास्तव 7. निखिल श्रीवास्तव पुत्रगण हनुमान प्रसाद साकिनान गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 8. बीना देवी पत्नी ज्वाला प्रसाद साकिन गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती –विपक्षीगण प्रथम वर्ग
9. श्रीमती जुगुरा देवी पत्नी कल्पनाथ 10. रामकेश 11. रामनरेश पुत्रगण कल्पनाथ 12. हरि प्रसाद यादव पुत्र मूसें 13. श्रीमती धर्मा देवी पत्नी रामकुमार 14. रामसहाय 15. आज्ञाराम 16. सुरेन्द्र 17. राजू यादव पुत्रगण रामकुमार साकिनान गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 18. गंगाराम पुत्र राममिलन –विपक्षीगण द्वितीय वर्ग 19. श्रीमती मन्ना देवी पत्नी दशरथ 20/1 कनिकराम 20/2 जयराम पुत्रगण राम उजागिर साकिन गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 21. राजेश चौहान पुत्र निर्मला चौहान 22. घनश्याम चौहान पुत्र दूधनाथ निवासीगण उमरूआ जंगल तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती 23. हिमांशु श्रीवास्तव पुत्र रामनाथ 24. रामविलास पुत्र राम अवध 25. राजनाथ पुत्र तेज नरायन साकिन गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 26. अजय कुमार 27. अरविन्द कुमार 28. पंकज कुमार पुत्रगण ज्वाला प्रसाद साकिन गनेशपुर (उत्तर टोला) तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 26–05–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 06 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम वैदोलिया वि.खं. गौर, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **वैदोलिया** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/बीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस0एल0डब्लू0एम0/सांसद निधि/विधायक निधि/ अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यो हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैंड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एन0एम0, सरिया, ऐंगिल, फैसिंग जाली, जी0आई0 शीट, हयूम पाइप 250 एम0एम0 व्यास से 900 एम0एम0 व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वाछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **वैदोलिया** के निविदा बाक्स में दिनांक 19–05–2026 तक अपरान्ह 12:00 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 03:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु0 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 12–05–2026 से दिनांक 18–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का रू सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता को जी0एस0टी0 का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **वैदोलिया** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **वैदोलिया** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी0एस0टी0 तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी0ड्ब्लू0डी0 द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी0एस0टी0 काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ0डी0आर0 पत्र/एन0एस0सी0/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **वैदोलिया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर0ई0डी0/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(श्रीमती ममता पाण्डेय)
प्रधान
ग्राम पंचायत–वैदोलिया

(वीरेन्द्र कुमार)
सचिव
ग्राम पंचायत–वैदोलिया

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com